हिन्दुस्तान

एम्स के छठे दीक्षांत समारोह में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने 386 छात्रों को डिग्री, 23 को पदक और 13 को स्वर्ण पदक से नवाजा

डॉक्टर ईमानदारी से करें राष्ट्र सेवा: उपराष्ट्रपति

संबोधन

ऋषिकेश, वरिष्ठ संवाददाता। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि डॉक्टरों को ईमानदारी और समर्पण के साथ राष्ट्र की सेवा करनी चाहिए। मरीजों के लिए डॉक्टर ईश्वर के समान होते हैं, इसलिए उनकी जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। उन्होंने डॉक्टरों से एम्स ऋषिकेश को देश का सर्वश्रेष्ठ संस्थान बनाने का भी आह्वान किया।

गुरुवार को एम्स ऋषिकेश के छठें दीक्षांत समारोह में शिरकत करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि दीक्षांत समारोह वर्षों की मेहनत का परिणाम होने के साथ-साथ समाज और राष्ट्र के प्रति नई जिम्मेदारियों की शुरुआत भी है। इस दौरान उपराष्ट्रपति ने एमबीबीएस सहित विभिन्न पाठ्यक्रमों के 386 छात्र-छात्राओं को डिग्री, 23 को पदक और 13 मेधावियों को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया।

एम्स की सेवाओं को सराहा : उपराष्ट्रपति ने एम्स ऋषिकेश की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्थान उपचार, शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार का उत्कृष्ट उदाहरण है। टेलीमेडिसिन, आपातकालीन हेली-चिकित्सा सेवाओं और चारधाम यात्रा के दौरान ड्रोन से दवा आपूर्ति जैसी पहल को उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में प्रभावी और नवाचारपूर्ण कदम

एम्स ऋषिकेश में गुरुवार को आयोजित दीक्षांत समारोह में छात्रा को डिग्री देते उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन। इस दौरान राज्यपाल ले. जनरल गुरमीत सिंह (सेनि), मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, केंद्रीय राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट, सांसद हरिद्वार त्रिवेंद्र रावत, सांसद नरेश बंसल, एम्स की कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह मौजूद रहीं।

अहम उन्होंने क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के विकास, विशेषकर दिल्ली-दून एक्सप्रेसवे, का उल्लेख करते हुए पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार के प्रयासों की सराहना की। इस मौके पर राज्यपाल ले. जनरल गुरमीत सिंह (सेनि), केंद्रीय राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल, एम्स अध्यक्ष प्रो. राज बहादुर, डीन प्रो. सौरभ वार्ष्णेय, कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट, सांसद हरिद्वार त्रिवेंद्र रावत, सांसद नरेश बंसल, विधायक प्रेमचंद अग्रवाल, मेयर शंभू पासवान,

डिग्री पाकर चहके मेधावी

ऋषिकेश। एम्स ऋषिकेश में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कुल 386 मेधावी छात्र-छात्राओं को डिग्री, स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक देकर सम्मानित किया, जबकि 23 छात्रों को सर्टिफिकेट ऑफ एक्सीलेंस, पांच छात्रों को सर्टिफिकेट ऑफ अप्रिसिएशन तथा 13 छात्रों को सर्टिफिकेट ऑफ ऑनर प्रदान किए गए। एमबीबीएस के 100, बीएससी ऑनर्स नर्सिंग के 89, बीएससी एलाईड हेल्थ साइंस के 1, एमडी/ एमएस/एमडीएस 2022 बैच के 29, इसी पाठ्यक्रम में 2023 बैच के 67, एमएससी नर्सिंग के 19, एमएससी मेडिकल के 2, मास्टर ऑफ पब्लिक हेल्थ के 2, डीएम/ एमसीएच 2022 बैच के 36, इसी पाठ्यक्रम में 2023 बैच के 30 और पीएचडी के कुल 11 छात्र-छात्राएं शामिल रहे।

जीवन में जनसेवा ही मेरा लक्ष्य रहेगा : डॉ. देवांग

सात स्वर्ण पदक पाने वाले डॉ. देवांग जयपुर के रहने वाले हैं। उनके पिता एक कंपनी में सीए के पद पर तैनात हैं। माता शिक्षिका हैं। पिता का तबादला होने पर उनकी पढ़ाई दक्षिण के कई राज्यों में भी हुई। पढ़ाई के दौरान पूरे बैच का उन्हें साथ मिला। कहते हैं जनसेवा ही उनका लक्ष्य रहेगा।

जिम्मेदारी का करूंगी निर्वहन: डॉ. रश्मित कौर

मैं उपाधि पाकर खुश हूं। अब आगे और जिम्मेदारी आएगी, इसका अहसास है। मरीजों को बेहतर उपचार मिल सके यह कोशिश रहेगी। हमें हमारे आचार्य ने ईमानदारी से कार्य करने की प्रेरणा दी है। जो जिम्मेदारी मिलेगी उसके अनुरूप काम किया जाएगा।

उपाधि मिलना सबसे बड़ी खुशी:डॉ. मेहुल अग्रवाल

यह क्षण बहुत भावुक करने वाला भी है। पढ़ाई के बाद जब उपाधि मिलती है तो यह बताता है कि अभी काम शुरू हुआ है। इसी के अनुरूप आगे काम किया जाएगा। सेवा ही उनका मकसद रहेगा। मरीज डॉक्टर पर भरोसा करते हैं,जिसे कायम रखने का पूरा प्रयास करुंगी।

मानव सेवा ही मेरे जीवन का लक्ष्य :डॉ. मयंक कपूर

मुझे खुशी है कि एम्स में पढ़ाई का मौका मिला और आज उपाधि भी मिल गई। मरीजों को किस तरह बेहतर स्वास्थ्य सुविधा दी जा सके, इस पर फोकस रखा जाएगा। मानव सेवा ही उनका मकसद रहेगा। मरीज के साथ बेहतर सामंजस्य बनाकर खरा उतरने का प्रयास करुंगा।

नवोदय टाइम्स

चिकित्सा सेवाएं अस्पतालों से निकालकर समाज के अंतिम छोर तक पहुंचाएं : उपराष्ट्रपति

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने एम्स ऋषिकेश के छठे दीक्षांत समारोह में छात्र छात्राओं को डिग्री और मेडल प्रदान किए

■ **एम्स ऋषिकेश में टेलीमेडिसिन और नवाचार की प्रशंसा की**

ऋषिकेश/श्यामपुर, 23 अप्रैल (नवोदय टाइम्स): मेडिकल स्नातक सहानुभूति, ईमानदारी और राष्ट्र निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता के साथ चिकित्सा सेवा में सहभागिता सुनिश्चित करें। स्वास्थ्य सेवाएं अस्पतालों से निकालकर समाज के अंतिम छोर तक पहुंचनी चाहिए।

ये बात उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने वीरवार को एम्स के 6 वें दीक्षांत समारोह के दौरान कही। वे बतौर मुख्य अतिथि समारोह में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने स्नातक कर चुके छात्र छात्राओं को डिग्री और मेधावियों को मेडल प्रदान किया। अपने संबोधन में उपराष्ट्रपति ने एम्स ऋषिकेश में टेलीमेडिसिन और नवाचार की प्रशंसा की। इस दौरान उन्होंने अवसंरचना और सेवाओं को मजबूत करने में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व की मुक्तकंठ से प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि ऋषिकेश चिंतन और उपचार के वैश्विक केंद्र होने के साथ ही हिमालय का प्रवेश द्वार है। ऋषिकेश का आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व अतुलनीय है। ऐसा वातावरण दीक्षांत

0034 मेडिकल स्नातक को उपाधि प्रदान करते उपराष्ट्रपति एवं अन्य अतिथि।

समारोह की गंभीरता को और भी गहरा कर देता है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि दीक्षांत समारोह न केवल वर्षों के अनुशासित प्रयास और त्याग की परिणति है बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति एक बड़ी जिम्मेदारी की शुरुआत भी है। उन्होंने स्नातकों से समर्पण और उद्देश्य की भावना के साथ अपने पेशेवर कर्तव्यों को निभाने का आग्रह किया। कोविड-19 महामारी से उत्पन्न चुनौतियों पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने लचीलापन, नवाचार और प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया है। 140 करोड़ से अधिक नागरिकों को मफ्त टीके लगाए गए जिससे स्वास्थ्य सेवा तक समान पहुंच सुनिश्चित हुई। भारतीय वैज्ञानिकों ने लाभ के लिए नहीं, बल्कि मानवता के कल्याण के लिए टीके विकसित किए हैं। वैक्सीन मैत्री के तहत 100 से अधिक देशों को टीके उपलब्ध कराए गए। यह पहल "वसुधैव कुटुंबकम" की भावना को दर्शाती है। एक दयालु और जिम्मेदार वैश्विक साझेदार के रूप में भारत की भूमिका हुई है। पिछले एक दशक में देश भर में विशेष रूप से वंचित क्षेत्रों में नए एम्स संस्थानों की स्थापना से गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा और चिकित्सा शिक्षा तक पहुंच मजबूत हुई है। सुशासन लोगों की जरूरतों को समझने और उनकी सेवा करने में निहित है। इस अवसर पर त्रिवेंद्र सिंह रावत, नरेश बंसल, महेंद्र भट्ट, एम्स ऋषिकेश के अध्यक्ष प्रो. राज बहादुर, एम्स ऋषिकेश की कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह, डीन (अकादमिक) प्रो. सौरभ आदि मौजूद रहे।

चिकित्सा पेशा नहीं, सेवा और संवेदनशीलता का क्षेत्र: राज्यपाल: इस अवसर पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने विश्वास जताया कि उपराष्ट्रपति के मार्गदर्शन से युवा चिकित्सकों को राष्ट्रसेवा की नई ऊर्जा एवं दिशा प्राप्त होगी। राज्यपाल ने कहा कि दीक्षांत समारोह विद्यार्थियों की साधना, समर्पण और सेवा भाव का उत्सव है। यह वह महत्वपूर्ण क्षण है, जब वर्षों की कठिन मेहनत एक नई जिम्मेदारी में परिवर्तित होती है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा केवल एक पेशा नहीं, बल्कि सेवा और संवेदनशीलता का क्षेत्र है। मरीज केवल उपचार ही नहीं, बल्कि विश्वास और आशा लेकर चिकित्सक के पास आता है। ऐसे में चिकित्सकों का व्यवहार, सहानुभूति और समर्पण ही मरीज को सुरक्षा और विश्वास प्रदान करता है।

प्रदेश के लिए जीवन रक्षक संस्थान बना एम्स: धामी

दीक्षांत समारोह में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उपाधि प्राप्त करने वाले सभी छात्र-छात्राओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि यह अवसर विद्यार्थियों के जीवन में एक नए अध्याय की शुरुआत है।चिकित्सा क्षेत्र में उनका योगदान समाज एवं राष्ट्र निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में स्थापित एम्स ऋषिकेश आज प्रदेश के लिए एक महत्वपूर्ण जीवन रक्षक संस्थान के रूप में स्थापित हो चुका है।

अमर उजाला,

दीक्षांत समारोह : 386 छात्रों को मिली डिग्री, 23 पदकों से नवाजे गए मेधावी

एम्स ऋषिकेश में आयोजित समारोह में उपराष्ट्रपति ने मेधावियों को किया सम्मानित

संवाद न्यूज एजेंसी

ऋषिकेश। एम्स के छठवें दीक्षांत समारोह में 386 छात्र-छात्राओं को उपाधियां वितरित की गईं। इस दौरान 17 मेधावी छात्र-छात्राओं को कुल 23 पदक भी दिए गए, जिसमें 13 स्वर्ण पदक शामिल हैं। समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर उपराष्ट्रपति मौजूद रहे।

बृहस्पतिवार को एम्स के ऑडिटोरियम में दीक्षांत समारोह का शुभारंभ अतिथियों ने दीप प्रज्वलन के साथ किया। समारोह में मुख्य अतिथि उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन के अलावा विशिष्ट अतिथि के तौर पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह, सीएम पुष्कर सिंह धामी, केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, रसायन एवं उर्वरक) अनुप्रिया पटेल, सांसद त्रिवेंद्र रावत, नरेश बंसल, महेंद्र भट्ट आदि मौजूद रहे। समारोह में एमबीबीएस (बैच 2019 सहित पूर्व बैच के 2 छात्र), बीएससी नर्सिंग (बैच 2021), एमडी/एमएस/एमडीएस (बैच जुलाई 2022 एवं जनवरी 2023), एमएससी नर्सिंग (बैच 2023), एमएससी मेडिकल (बैच 2022), एमपीएच (बैच जनवरी 2024), डीएम/एमसीएच (बैच जुलाई 2022 एवं जनवरी 2023) तथा पीएचडी के विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गईं।

उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन। स्रोत : सूचना

इस अवसर पर कुल 23 पदक प्रदान किए गए, जिसमें 13 स्वर्ण, 5 रजत एवं 5 कांस्य पदक शामिल हैं। इसके अतिरिक्त 21 छात्रों को सर्टिफिकेट ऑफ एक्सीलेंस, 5 छात्रों को सर्टिफिकेट ऑफ अप्रिसिएशन तथा 13 छात्रों को सर्टिफिकेट ऑफ ऑनर भी प्रदान किए गए। मौके पर एम्स अध्यक्ष प्रो. राजबहादुर, निदेशक प्रो. मीनू सिंह, पीआरओ डॉ. श्रीलॉय मोहंती मौजूद रहे।

उत्तराखंड सरकार के प्रयासों को सराहा : उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने उत्तराखंड में बुनियादी ढांचे में तेजी से हो रहे विकास को भी सराहा और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की तारीफ की। कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं। इन प्रयासों में समावेशी विकास को बढ़ावा देना, बुनियादी ढांचे को मजबूत करना और स्वास्थ्य सेवा वितरण में सुधार लाना शामिल है। उपराष्ट्रपति ने राज्य सरकार के इन कदमों को जनहितैषी बताया।

एम्स में आयोजित दीक्षांत समारोह में छात्र को डिग्री देते उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन। स्रोत : सूचना

देबांग, गोल्ड मेडलिस्ट

मयंक, गोल्ड मेडलिस्ट

मेहुल, गोल्ड मेडलिस्ट

श्रेजीत, गोल्ड मेडलिस्ट

कृष्णा, गोल्ड मेडलिस्ट

विद्या, गोल्ड मेडलिस्ट

रश्मि, गोल्ड मेडलिस्ट

लखविंदर, गोल्ड मेडलिस्ट

पीएचडी के 11 विद्यार्थियों को मिलीं उपाधियां

दीक्षांत समारोह में उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में एमबीबीएस के 100, बीएससी ऑनर्स नर्सिंग के 89, बीएससी एलाइड हेल्थ साइंस के एक, एमडी/एमएस/एमडीएस 2022 बैच के 29, इसी पाठ्यक्रम में 2023 बैच के 67, एमएससी नर्सिंग के 19, एमएससी मेडिकल के दो, मास्टर ऑफ पब्लिक हेल्थ के दो, डीएम/एमसीएच 2022 बैच के 36, इसी पाठ्यक्रम में 2023 बैच के 30 और पीएचडी के कुल 11 छात्र-छात्राओं को उपाधियां प्रदान की गईं।

इन्हें मिले पदक

नाम	उपाधि	सत्र
डॉ. मेहुल अग्रवाल	एमसीएच यूरोलॉजी	जुलाई 2022
डॉ. मयंक कपूर	डीएम मेडिकल ऑन्कोलॉजी	जनवरी 2023
डॉ. श्रीजीत जी	आपातकालीन चिकित्सा	जुलाई 2022
डॉ. बाल चंद्र रौथु	एमडी जनरल मेडिसिन	जनवरी 2023
डॉ. देबांग (7 स्वर्ण)	एमबीबीएस	2019
डॉ. रश्मीत कौर	एमबीबीएस	2019
आरती राणा	बीएससी नर्सिंग	2021
	रजत पदक	
रश्मीत कौर	एमबीबीएस	2019
डॉ. लखविंदर सिंह	एमसीएच	जुलाई 2022
डॉ. कृष्णाप्रिया एस कुमार	डीएम	जनवरी 2023
डॉ. के विद्या	एमडी	जुलाई 2022
हर्षिता	बीएससी नर्सिंग	
	कांस्य पदक	
डॉ. तुषार गुप्ता	एमसीएच	जुलाई 2022
डॉ. अर्जुलन	डीएम	जनवरी 2023
डॉ. जॉन राजन मैथ्यू	एमडी	जनवरी 2023
अकालांता भट्टाचार्य	एमबीबीएस	
मानसी कपूर	बीएससी नर्सिंग	

देबांग ने सात स्वर्ण पदक जीतकर रचा इतिहास

राजीव खत्री

ऋषिकेश। सकारात्मक सोच और सही सहयोग से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं रहता। इसी बात को देबांग ने सच कर दिखाया है। उन्होंने एम्स के छठवें दीक्षांत समारोह में सात स्वर्ण पदक अपने नाम किए हैं।

देबांग ने अपनी इस बड़ी सफलता का श्रेय केवल अपनी मेहनत को नहीं दिया। उन्होंने अपनी सकारात्मक सोच और दोस्तों की प्रेरणा को भी महत्वपूर्ण बताया। देबांग के अनुसार, कठिन समय में दोस्तों ने उनका हौसला बढ़ाया। उन्होंने कभी हार न मानने की सीख दी। इसी कारण देबांग ने हर चुनौती को अवसर में बदल दिया।

उनका पारिवारिक माहौल भी इस उपलब्धि में अहम रहा। पिता पंकज अग्रवाल एक सीए हैं और माता रुचि अग्रवाल शिक्षिका हैं। उन्होंने हमेशा देबांग को बेहतर करने के लिए प्रेरित किया। परिवार के समर्थन और संस्कारों ने उन्हें अनुशासन सिखाया। लक्ष्य के प्रति समर्पण की भावना भी परिवार से मिली।

पारिवारिक सहयोग और प्रेरणा : देबांग के पिता पंकज अग्रवाल और माता रुचि अग्रवाल ने उन्हें हमेशा प्रोत्साहित किया। उनके परिवार ने उन्हें मजबूत संस्कार दिए। इन संस्कारों ने देबांग को अनुशासित बनाया। लक्ष्य के प्रति उनका समर्पण भी परिवार के सहयोग से बढ़ा। यह उपलब्धि उनके परिवार के लिए भी गर्व का विषय है।

बचपन का सपना, हकीकत में बदला : वर्ष 2019 में ऋषिकेश एम्स के लिए चयनित एमबीबीएस के छात्र देबांग अग्रवाल ने बताया कि उन्होंने बाल्यकाल में ही डॉक्टर बनने का सपना देखा था।

देबांग कहते हैं जब बहुत छोटी उम्र यानी एक से दो वर्ष का था, हमारी कॉलोनी में एक डॉक्टर देबांग लोगों को चिकित्सा सेवाएं दिए करते थे। मिलते-जुलते नाम के डॉ. देबांग के चिकित्सकीय पेशे से प्रभावित होकर व उनकी कार्यशैली को देखकर उन्होंने भी बड़े होकर चिकित्सक बनने का सपना चुना, जो आज साकार हुआ है। वह अपनी कॉलोनी के डॉ. देबांग को अपना रोल मॉडल मानते हैं। संवाद

पिछले वर्ष आए थे केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा

एम्स का पहला दीक्षांत समारोह 3 नवंबर 2018 को हुआ था, जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शिरकत की थी। दूसरा दीक्षांत समारोह 14 मार्च 2020 को आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह शामिल हुए। तीसरा दीक्षांत समारोह 13 जुलाई 2023 को आयोजित हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में तत्कालीन केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने 1041 छात्र-छात्राओं को उपाधि बांटी थी। चौथा दीक्षांत समारोह 23 अप्रैल 2024 को आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु मौजूद रहीं। पांचवां दीक्षांत समारोह 15 अप्रैल 2025 को आयोजित हुआ, जिसमें केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे।

2012 में हुई थी पहले एमबीबीएस बैच की शुरुआत

ऋषिकेश में एक फरवरी 2004 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान का शिलान्यास हुआ था। एम्स के मेडिकल कॉलेज में वर्ष 2012 से एमबीबीएस के पहले बैच की शुरुआत हुई थी। वर्तमान में यहां एमबीबीएस की 125 सीटें हैं। यहां नर्सिंग कॉलेज में बीएससी व एमएससी नर्सिंग के पाठ्यक्रम भी संचालित हैं। एम्स में नर्सिंग कॉलेज की स्थापना वर्ष 2013 में हुई थी। संस्थान के दीक्षांत समारोह में एमबीबीएस व नर्सिंग पाठ्यक्रम के साथ ही संस्थान में संचालित होने वाले अन्य पाठ्यक्रमों के छात्र-छात्राओं को उपाधि वितरित की जाती है।

चिकित्सा क्षेत्र मानवता की सेवा का सर्वोच्च माध्यम : सीएम धामी

ऋषिकेश। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि चिकित्सा क्षेत्र केवल एक पेशा नहीं, बल्कि मानवता की सेवा का सर्वोच्च माध्यम है, जिसे निष्ठा, संवेदनशीलता और करुणा के साथ निभाया जाना चाहिए।

बृहस्पतिवार को एम्स दीक्षांत समारोह में सीएम धामी ने उपाधिधारकों को संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन आपके जीवन में एक नए अध्याय की शुरुआत का है। उपाधि मिलने के बाद आपकी जिम्मेदारी शुरू हो गई है। आपको इस जिम्मेदारी का निर्वहन निरंतर पूरी निष्ठा, संवेदनशीलता और करुणा के साथ करना होगा।

सीएम ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा स्थापित एम्स ऋषिकेश आज प्रदेश के लिए एक महत्वपूर्ण जीवन रक्षक संस्थान के रूप में स्थापित हो चुका है। यहां कैंसर उपचार, न्यूरोसर्जरी, रोबोटिक सर्जरी और जॉइंट रिप्लेसमेंट जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं।

ऊधमसिंह नगर में एम्स ऋषिकेश के सैटेलाइट सेंटर का निर्माण कार्य तेजी से प्रगति पर है, जिससे कुमाऊं क्षेत्र की जनता को भी उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधाओं का लाभ मिलेगा।

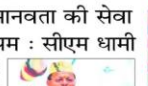

दीक्षांत समारोह में संबोधित करते सीएम पुष्कर सिंह धामी। स्रोत : सूचना

उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए लगातार कार्य कर रही है। प्रदेश के प्रत्येक जनपद में मेडिकल कॉलेज की स्थापना, टेलीमेडिसिन नेटवर्क का विस्तार, जन औषधि केंद्रों के माध्यम से सस्ती दवाइयों की उपलब्धता तथा निशुल्क पैथोलॉजिकल जांच जैसी योजनाओं को तेजी से लागू किया जा रहा है। संवाद

एम्स में आयोजित दीक्षांत समारोह में उपस्थित छात्र-छात्राएं। संवाद

सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं सरकार की प्राथमिकता : अनुप्रिया पटेल

ऋषिकेश। एम्स के छठवें दीक्षांत समारोह में विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण केंद्रीय राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भारत का स्वास्थ्य परिदृश्य तेजी से बदला है और देश सस्ती, सुलभ व गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं देने की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ रहा है। आज देश में केवल स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे का विस्तार ही नहीं हुआ है, बल्कि चिकित्सा शिक्षा में भी अभूतपूर्व प्रगति हुई है। हमारी कोशिश है कि देश के 140 करोड़ नागरिकों को सस्ती, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें और इसके लिए सरकार लगातार प्रयासरत है। बृहस्पतिवार को एम्स ऑडिटोरियम में आयोजित समारोह में केंद्रीय मंत्री पटेल ने मेडिकल छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत सरकार स्वास्थ्य पर होने वाले खर्च को निरंतर बढ़ा रही है और यह बढ़कर अब एक लाख छह हजार करोड़ रुपये से अधिक हो चुका है। जब सरकार अपना निवेश बढ़ा रही है, तो आम नागरिक की जेब से होने वाला खर्च भी घटा है। इसी दिशा में इंटीग्रेटिव मेडिसिन का मॉडल एक महत्वपूर्ण उदाहरण है, जिसमें पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों और आधुनिक चिकित्सा के मजबूत पक्षों को एक साथ जोड़कर मरीज के संपूर्ण उपचार पर ध्यान दिया जाता है। संवाद

चुनौतियों को अवसर में बदलें युवा चिकित्सक : राज्यपाल

संवाद न्यूज एजेंसी

ऋषिकेश। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि.) ने एम्स में मेडिकल छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच अभी भी चुनौतीपूर्ण है।

युवा चिकित्सकों से अपेक्षा है कि वह इन चुनौतियों को अवसर में परिवर्तित करते हुए दूरस्थ क्षेत्रों में सेवा प्रदान करें तथा समाज में विश्वास का संचार करें। उन्होंने आह्वान किया कि वे अपने जीवन में नैतिकता, ईमानदारी और सेवा के मूल्यों को सर्वोपरि रखें तथा रोगी के विश्वास को अपनी सबसे बड़ी पूंजी मानें।

दीक्षांत समारोह को विद्यार्थियों की साधना, समर्पण और सेवा भाव का उत्सव बताते हुए राज्यपाल ने उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि उनकी सफलता में माता-पिता के त्याग और गुरुजनों के मार्गदर्शन का महत्वपूर्ण योगदान है। राज्यपाल ने चिकित्सा क्षेत्र में हो रहे बदलावों का जिक्र किया, जहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल हेल्थ स्वास्थ्य सेवाओं को प्रभावी बना रहे हैं।

दीक्षांत समारोह को संबोधित करते राज्यपाल। स्रोत : सूचना

उन्होंने एम्स ऋषिकेश के योगदान की सराहना की, जो स्वास्थ्य तंत्र को भविष्य के लिए तैयार कर रहा है। उन्होंने कहा कि मरीज केवल उपचार ही नहीं, बल्कि विश्वास और आशा लेकर चिकित्सक के पास आता है।

अमर उजाला, फ्रंट पेज

एम्स ऋषिकेश के दीक्षांत समारोह में उपराष्ट्रपति ने युवाओं को दिया मंत्र, कहा-

सिर्फ उपलब्धि नहीं, राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी है डिग्री

ऋषिकेश। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के दीक्षांत समारोह में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि उपाधि सिर्फ एक शैक्षणिक उपलब्धि नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति एक बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने स्नातकों से कहा कि वह अपने पेशेवर कर्तव्यों को पूरी निष्ठा और सेवा भाव से निभाएं। स्वास्थ्य सेवा एक सार्वजनिक धरोहर है जिस पर सभी का समान अधिकार है।

कार्यक्रम का शुभारंभ करते उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, राज्यपाल लेज. गुरमीत सिंह (सेनि.), सीएम पुष्कर सिंह धामी, केंद्रीय राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल, एम्स निदेशक प्रो.मीनू सिंह, सांसद त्रिवेंद्र रावत और सांसद नरेश बंसल। संवाद

मेडिकल छात्रों को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कोविड-19 महामारी की चुनौतियों का उल्लेख किया। कहा, भारतीय वैज्ञानिकों ने लाभ के लिए नहीं बल्कि मानवता के कल्याण के लिए टीके विकसित किए। उन्होंने भारत की टीका मैत्री पहल को भी रेखांकित किया, जिसके तहत 100 से अधिक देशों को टीके उपलब्ध कराए गए, जो वसुधैव कुटुंबकम की भावना को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि भारत के व्यापक टीकाकरण अभियान के तहत 14 करोड़ से अधिक नागरिकों को मुफ्त टीके लगाए गए। उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत के सतत नवाचार और प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने एम्स की शैक्षणिक क्षमता, अनुसंधान, सामाजिक प्रतिबद्धता के क्षेत्र में उत्कृष्टता की भी प्रशंसा की। इस दौरान राज्यपाल लेज. गुरमीत सिंह (सेनि.), सीएम पुष्कर धामी, केंद्रीय राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल, निदेशक प्रो.मीनू सिंह, सांसद त्रिवेंद्र रावत, नरेश बंसल, महेंद्र भट्ट थे। संवाद

>> संबंधित माई सिटी 02

प्रधान टाइम्स

ईमानदारी और राष्ट्र निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता के साथ सेवा करें डॉक्टर : सीपी राधाकृष्णन

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने एम्स ऋषिकेश के छठे दीक्षांत समारोह में छात्रों को बांटी डिग्री

- राजेश शर्मा

ऋषिकेश। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश में बृहस्पतिवार को छठवें दीक्षांत समारोह का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में देश के उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने एम्स ऋषिकेश के छठवें दीक्षांत समारोह में मेडिकल के 11 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया। साथ ही दीक्षांत समारोह में संस्थान के 386 छात्र-छात्राओं को उपाधियां प्रदान गईं। इस दौरान उन्होंने चिकित्सक बनकर उपाधि प्राप्त करने वाले मेडिकल के विद्यार्थियों से कहा कि रोगी का विश्वास बनाए रखना एक चिकित्सक की पहली जिम्मेदारी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उन्हें डॉक्टर बनाने में न केवल शिक्षकों की भूमिका है बल्कि माता-पिता का भी विशेष मार्गदर्शन है। इन दोनों को जीवन में कभी नहीं भूलें।

बृहस्पतिवार को एम्स,ऋषिकेश में आयोजित 6वें दीक्षांत समारोह का मुख्य अतिथि भारत के उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन, विशिष्ट अतिथि उत्तराखंड के माननीय राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त), उत्तराखंड के माननीय मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी, केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, रसायन एवं उर्वरक), भारत सरकार श्रीमती अनुप्रिया पटेल, एम्स के अध्यक्ष प्रोफेसर राज बहादुर, संस्थान की कार्यकारी निदेशक एवं सीईओ प्रोफेसर डॉ. मीनू सिंह व डीन एकेडमिक प्रोफेसर डॉ. सौरभ वार्ष्णेय ने संयुक्तरूप से दीप प्रज्वलित कर विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि महामहिम उपराष्ट्रपति ने कहा कि कोविड काल में चिकित्सकों ने जिस तरह से लोगों के प्राण बचाने में अपना धर्म निभाया, वह बहुत ही सराहनीय है। उन्होंने कि सरकार की प्रतिबद्धता के चलते चिकित्सा वैज्ञानिकों द्वारा तैयार की गई वैक्सीन न सिर्फ अपने देशवासियों को लगाई गई व उनका जीवन कोविड से सुरक्षित किया गया, भारत देश ने दुनिया के सौ से अधिक देशों को भी वैक्सीन उपलब्ध कराई है। कहा कि इससे वसुधैव कुटुंबकम की भावना को बल मिलता है। उन्होंने कहा कि आज एम्स, ऋषिकेश इस बात का एक बेहतरीन उदाहरण है, कि कैसे आधुनिक संस्थान दैनंदिक उत्कृष्टता, वैश्विक क्षमता, अनुसंधान, संस्कृति, तकनीकी न्यायचार और सामाजिक प्रतिबद्धता का एक साथ समन्वय कर सकते हैं। महामहिम ने कहा कि पिछले एक दशक में, देशभर में स्थित एम्स, संस्थानों ने गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा और चिकित्सा शिक्षा तक पहुंच को सुदृढ़ किया है, विशेष रूप से उन क्षेत्रों में जहां इनकी कमी बनी हुई थी और लोग बेहतरीन चिकित्सा से वंचित थे। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य सेवा एक सार्वजनिक दायित्व है। महामहिम ने कहा कि उत्तराखंड जैसे राज्य में, जहां की भौगोलिक परिस्थितियां स्वयं ही बाधाएं उत्पन्न करती हैं, एम्स ऋषिकेश ने एक पारंपरिक अस्पताल की भूमिका से कहीं अधिक व्यापक भूमिका निभाई है। चार धाम यात्रा के दौरान तीर्थयात्रियों तक तथा उत्तराखंड के सुदूरवर्ती क्षेत्रों में आपातकालीन दवाएं पहुंचाने के लिए ड्रोन के उपयोग का प्रयास अत्यंत प्रशंसनीय है।

जनसत्ता

उपराष्ट्रपति ने एम्स ऋषिकेश के छठे दीक्षांत समारोह को संबोधित किया

उपराष्ट्रपति ने स्नातकों से सहानुभूति, सत्यनिष्ठा और राष्ट्र निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता के साथ सेवा करने का आह्वान किया।

पर्वतीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की चुनौती को अवसर में बदलें, युवा चिकित्सक : राज्यपाल

चिकित्सा क्षेत्र केवल एक पेशा नहीं, बल्कि मानवता की सेवा का सर्वोच्च माध्यम है, जिसे निष्ठा, संवेदनशीलता और करुणा के साथ निभाया जाना चाहिए : मुख्यमंत्री

देहरादून ■ डेस्क

उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने आज ऋषिकेश स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के छठे दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। ऋषिकेश को चिंतन और उपचार का वैश्विक केंद्र होने के साथ-साथ हिमालय का प्रवेश द्वार के रूप में आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व देते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि ऐसा वातावरण दीक्षांत समारोह की गंभीरता को और भी गहरा कर देता है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि दीक्षांत समारोह न केवल वर्षों के अनुशासित प्रयासों और त्याग की परिणति है, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति एक बड़ी जिम्मेदारी की शुरुआत भी है। उन्होंने स्नातकों से समर्पण और उद्देश्य की भावना के साथ अपने पेशेवर कर्तव्यों को निभाने का आग्रह किया।

इस अवसर पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन का देवभूमि उत्तराखण्ड में हार्दिक स्वागत करते हुए विश्वास जताया कि उनके मार्गदर्शन से युवा चिकित्सकों को राष्ट्रसेवा की नई ऊर्जा एवं दिशा प्राप्त होगी।

राज्यपाल ने कहा कि दीक्षांत समारोह विद्यार्थियों की साधना, समर्पण और सेवा भाव का उत्सव है तथा यह वह महत्वपूर्ण क्षण है, जब वर्षों की कठिन मेहनत एक नई जिम्मेदारी में परिवर्तित होती है। उन्होंने उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि उनकी सफलता में माता-पिता के त्याग, गुरुजनों के मार्गदर्शन और राष्ट्र की अपेक्षाओं का महत्वपूर्ण योगदान है।

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने उपाधि प्राप्त करने वाले सभी छात्र-छात्राओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि यह अवसर विद्यार्थियों के जीवन में एक नए अध्याय की शुरुआत है और चिकित्सा क्षेत्र में उनका योगदान समाज एवं राष्ट्र निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण रहेगा।